बिहार विधान-सभा वादवृत

बृहस्पतिवार तिथि २१ सितम्बर, १६७२।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा-सदन में बृहस्पतिवार, तिथि २१ सितम्बर, १६७२ को पूर्वाह्न ६ बजे उपाध्यक्ष, श्री शकूर अहमद के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

बिहार विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली के नियम ४ परन्तुक के अन्तर्गत सभा-मेज पर प्रश्नों के लिखित उत्तरों का रखा जाना :

श्री दारोगा प्रसाद राय—महोदय, मैं षष्ठ विधान-सभा, १६७२ के अनागत, अल्पसूचित, तारांकित एवं अतारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर बिहार विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम ४ के परन्तुक के अनुसार सदन की मेज पर रखता हूँ। (*)

पाद टिप्पणी (*) उत्तर के लिये कृपया परिशिष्ट २ देखें।

लिया गया है। इसके हेतु अलापूर्त्ति के लिये प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त की जा रही है। तथा निकटवर्त्ती सड़क एवं आन्तरिक सड़क के निर्माण हेतु आकस्मिक निधि से ५०,००० रु० का अग्रिम लेने सम्बन्धी कार्रवाई हो रही है जिससे कि चालू वर्ष में सड़क निर्माण सम्पन्न हो जाय।

चमरूआ गांव का विद्युतिकरण।

११४। श्री राम विलास सिंह—क्या मंत्री, विद्युत विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :—

(१) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में १९७२-७३ के अन्तर्गत १७५० ग्रामों में कृषि कार्य निमित्त विद्युतिकरण करने की सरकारी योजना है;

(२) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला में २५० ग्रामों को विद्युतिकरण करने की योजना है;

(३) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या मुजफ्फरपुर जिला के कांटी प्रखंड अन्तर्गत चमरूआ पंचायत के मनसुरपुर चमरुआ ग्राम को विद्युतीकरण किया जायगा, यदि हां तो कबतक यदि नहीं तो क्यों ?

श्री जगन्नाथ मिश्र—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) मनसुरपुर चमरुआ ग्राम किसी स्वीकृत योजना में सम्मिलित नहीं है। अन्वेषण करने पर योजना यदि लाभप्रद पाया गया तो सम्मिलित करने का विचार किया जायगा।

महंगाई भत्ते की राशि।

१२०। श्री राम जीवन सिंह—क्या मंत्री, विद्युत विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :—

(१) क्या यह बात सही है कि अप्रील, १९६७ से मार्च १९७२ तक सरकारी सेवकों एवं अन्य कर्मचारियों के मंहगाई भत्ते का एक अंश उनके सामान्य भविष्य निधि में जमा किया जाता है;

(२) क्या यह बात सही है कि विद्युत विभाग के अधिदर्शकों जिनकी सेवायें विद्युत बोर्ड के अधीन थी कि मंहगाई भत्ता अभीतक अनिश्चितता की स्थिति में पड़ी हुई है;

(३) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उनके भविष्य निधि के सरकारी अंशदान वाले रुपये को उनके भविष्य निधि में जमा करने का विचार रखती है यदि हां तो कबतक और यदि नहीं तो क्यों ?

श्री जगन्नाथ मिश्र—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) विद्युत विभाग के अधिदर्शकों को नहीं बल्कि विद्युत बोर्ड के अधिदर्शकों जिनकी सेवायें विद्युत विभाग के अधीन थी के मंहगाई भत्ते आदि का मामला अनिश्चितता में है और सरकार के समक्ष विचाराधीन है।

(३) खण्ड (२) में निहित तथ्यों के संदर्भ में इस खण्ड के उत्तर देने का प्रश्न ही नहीं उठता।

कुदरा बराज का कार्य

१२१। श्री उमा शंकर सिंह—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि:—

(१) क्या यह बात सही है कि शाहाबाद जिलान्तर्गत कुदरा प्रखंड में कुदरा नदी पर ग्राम नटेवां में कुदरा बराज बनाने का प्रस्ताव बिहार सरकार के विचाराधीन है;

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त बराज का सर्वेक्षण कार्य पूरा हो जाने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा रहा है;